⊛ थार मरूस्थल (Thar Desert) :- भारत के 4 राज्यों राजस्थान (सर्वाधिक), गुजरात, पंजाब व हरियाणा में विस्तृत है

- टैथिस सागर का अवशेष माना जाता है।
- निर्माण - होलोसीन काल में
- पूर्वी सीमा अरावली अथवा 50 cm समवर्षा रेखा द्वारा निर्धारित होती है।
- 25 cm समवर्षा रेखा इसे शुष्क व अर्द्धशुष्क मरूस्थल में विभाजित करती है।

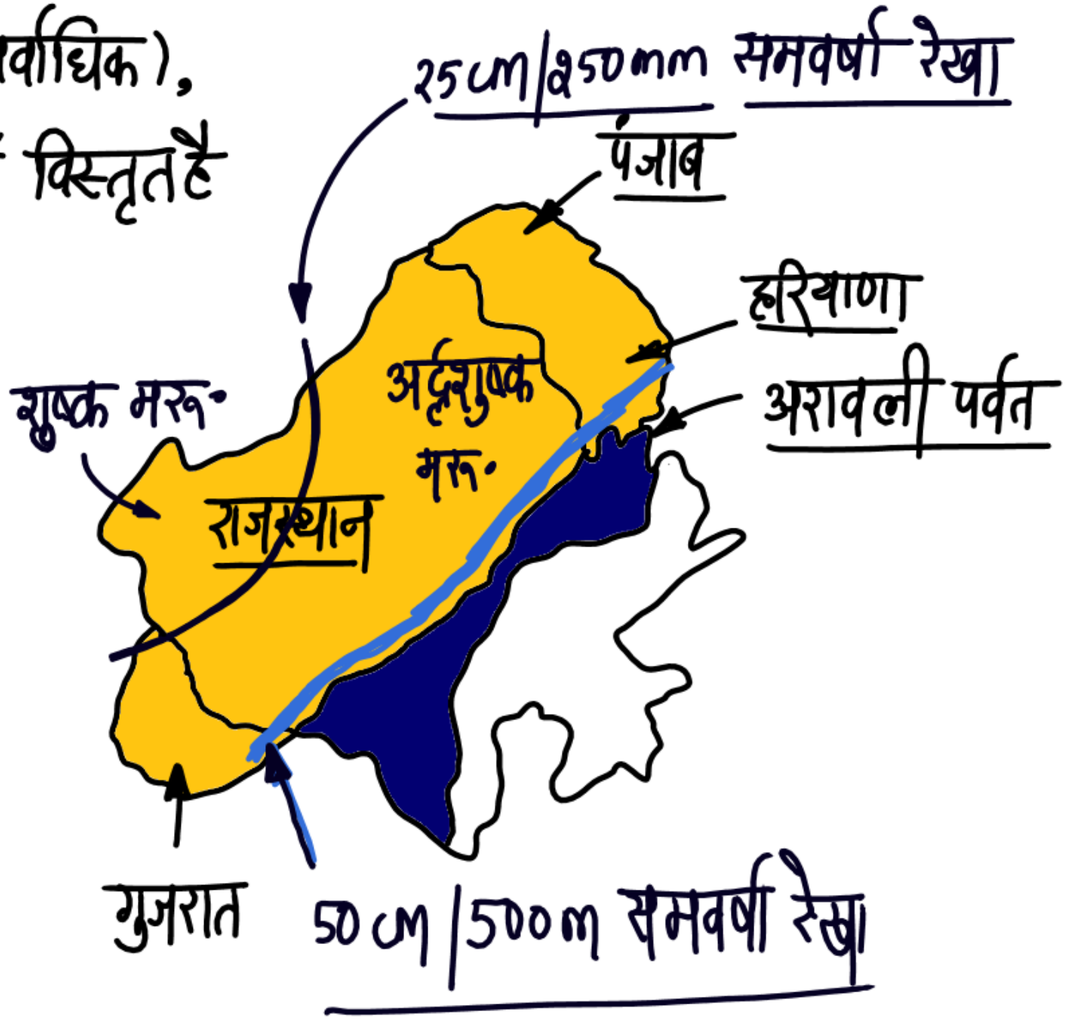

→ पाकिस्तान में भी इसका विस्तार पाया जाता है, जिसे चोलिस्तान का मरूस्थल कहा जाता है।

→ यह विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व तथा सर्वाधिक जैव विविधता वाला मरू॰ है।

→ यहां अनेकों खारे जल की झीलें मिलती हैं, जिनमें डीडवाणा, लूणकरणसर, पंचपदरा प्रसिद्ध हैं। ये झीलें नमक उत्पादन के लिए जानी जाती है।

Note :- सांभर झील चारों ओर से अरावली पहाड़ियों से घिरी है, जो एक बॉलसन का उदाहरण है।

→ सांभर भारत की सबसे बड़ी नमक उत्पादक झील है तथा यह भारत की सबसे बड़ी खारे जल की अंत: स्थलीय या भू-आबद्ध या भू-आवेष्ठित या Land Locked झील भी है।

- लूणी नदी थार मरूस्थल से प्रवाहित होती है जिसे ही मरूस्थल की गंगा कही जाती है तथा थार मरू. से प्रवाहित लूणी सबसे लंबी नदी है।
- यहां सेवण घास मिलती है तथा थार मरू. में जीरोफाइट/मरूद्भिद् वनस्पतियां प्राप्त होती है।
- यहां रेत में पीवणा सर्प मिलता है जो एक जहरीला सर्प है।
- बालूका स्तूप - बरखान, सीफ, धरियान, सब्र काफिज
  - स्थानांतरित बालूका स्तूप

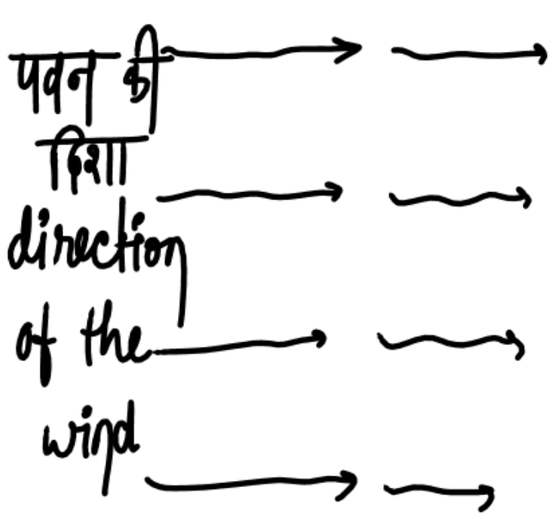

बरखान → पवनाभिमुखी ढ़ाल उत्तल व पवनविमुखी ढ़ाल अवतल होता है।

→ अत्यधिक क्रियाशील प्रकृति के बालुका स्तूप ; पवन की दिशा में 2 शृंग बनते हैं।

सीफ | सीप — पवन की दिशा में परिवर्तन से जब बरखान की एक भुजा कट जाती है।

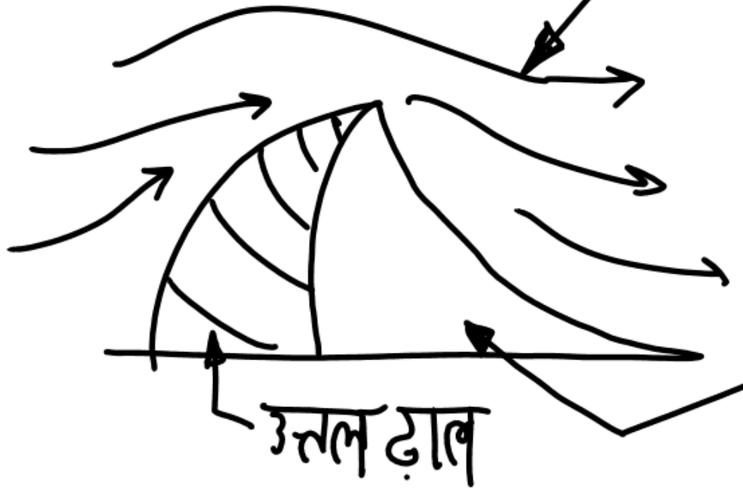

Green Wall of India

- यह 1400 km लंबी व 5 km चौड़ी वृक्षों की एक पट्टी तैयार की जायेगी जिसे बनाए जाने का उद्देश्य है कि थार के पूर्वी विस्तार को रोका जा सके।